तेजी से लोकप्रिय हो रहा पोक्सो ई-बॉक्स कप्लेन बॉक्स

हरिभूमि ब्यूरो. नई दिल्ली

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी द्वारा 26 अगस्त को लांच किए गए पॉक्सो ई-बॉक्स कंप्लेन बटन को आमजन ने बेहद गंभीरता से लिया है। इसका अंदाजा केवल सप्ताह भर में इसके जरिए बाल आयोग को मिली लोगों की शिकायतों व शंकाओं से लगा है। ई-बॉक्स को बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के सदस्य यशवंत जैन ने हरिभूमि को बताया कि आयोग की वेबसाइट के पहले पन्ने पर ठीक नीचे ऑनलाइन कंप्लेंट मैनेजमेंट सिस्टम टैग के जरिए इसके बारे में दी गई जानकारी पर क्लिक करने पर एक मोबाइल नंबर आता है, जिसपर कोई बच्चा या अन्य कोई व्यक्ति फोन करके सीधे आयोग में अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। इसकी निगरानी का अधिकार एनसीपीसीआर के पास है। हालांकि इसे केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी द्वारा जारी किए हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है। लेकिन आंकड़ें इस बात की तस्दीक कर रहे हैं कि लोगों के बीच यह काफी लोकप्रिय हो रहा है। इस ई-बॉक्स के बारे में एनसीपीसीआर से अब तक 100 से अधिक लोगों ने जानकारी ली है। इसके अलावा आयोग ने कुल 26 प्रकरण दर्ज किए हैं।